

172.
Buddhist
idol.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

भयकासं
काकादुग्धम्

अज्ञा १ धा का १
पञ्चाङ्ग १

प्रकार

आम्रकथ

2611

工

11. 12. 13. 14. 15.

[illegible]

प्रजासागरस्य सखा दीप्तदलतंत्रादिकामनाथः
 तस्मिन् दिनेः प्रीतिप्रसन्नः तस्मात्प्रसन्नः हेवज्ज.
 नेजात्मा दिव्यं जगदिश्वरं नारायणं ॥ मासं २ चतुर्दश
 प्रजापतिं नमस्कृत्य ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमस्तुभ्यं
 नमो ॥ तस्मात्प्रसन्नः प्रसन्नः प्रसन्नः प्रसन्नः ॥ श्रीमन्नमो
 आदिप्रसन्नः प्रसन्नः प्रसन्नः प्रसन्नः ॥ श्रीमन्नमो
 प्रसन्नः प्रसन्नः प्रसन्नः प्रसन्नः ॥ ॐ आदिप्रसन्नः

स माय ॥ अंग जाय ॥ वृद्धाय ॥ वृहस्पतिय ॥ शुक्राय ॥
 मन्त्रिवाजाय ॥ जाह्नव्याय ॥ कर्तुव्याय ॥ दत्तात्रेय ॥ शार्य
 वेजायनीयसाहा ॥ अक्षाणाय ॥ जलसंस्काराय ॥ अ
 म्भारणाय ॥ अश्वसिद्धिय ॥ जायजाय ॥ मामकिय ॥
 प्रांशुजाय ॥ शार्यगाजायसाहा ॥ ॐ ॥ पूजायसा ॥
 ॐ उवाकसुमसंकासंकासपथासहस्रिः नमो जीस
 र्यपापघुपनमामिदिवाकलं ॥ ॐ नमस्तु पंचवक्त्रः

ना अक्षाणदिकूलंतयः मध्यवेजायनं नापं पंच
 यदं नमस्तु ॥ ॐ ॥ पलीधंकाउत्राक्षयल
 मंलुलजाजाउत्रमंलुलदम ॥ जापयायधंकाय
 लीविय ॥ सा नवाय ॥ धंकासंलुलविमउत्रयोय ॥
 दवायवउपादकनुय ॥ ॥ पनउउमात्रया
 ननायायकापुआरपीयक ॥ ॐ नमस्तुगव ॥
 दानपतिउउमानस ॥ ॐ ॥ नमस्तुसकलउत्रप

नमस्तुगव ॥

वज्रक जाठक वाज्र नीय प्राद्याव न नार्द्य प निरु सा
हा ॥ **सामवाय** ॥ ॐ वाई नै जाक् विजय सा हा ॥ नि
लवर्णय सा हा ॥ कृष्णव जाय सा हा ॥ खगलु उ ५ ज
य सा हा ॥ वज्रर्द्य ५ ५ नीय सा हा ॥ खड्ग पा ५ ५ जा
य सा हा ॥ **हवज या न** ॥ ॐ हव जाय नम सा हा ॥ ने
गालाय नम सा हा ॥ वज्र जादवी य सा हा ॥ जय वा
गी ५ जाय सा हा ॥ **वाय या न** ॥ ॐ (ज) दि नी य सा हा ॥

१ वी
गालाय सा हा ॥ र्द्य श जा हाय सा हा ॥ ज्पिनीय सा हा ॥
वज्रक जाग काय सा हा ॥ समयक जाग काय सा हा ॥ स्म
यक जाग काय सा हा ॥ **५ ५ यी या न** ॥ ॐ हलु पिं ५ य
सा हा ॥ ॐ दि या न पि ५ य ॥ जलं धल पि ५ य ॥ निमनि
व जाय ॥ संरा ग य जाय ॥ मा हा रूष व काय सा हा ॥ ४ ॥
पूजा जाया रु मि ॥ ॐ नम गी नै जाक् विजय विल

सर्वमालविना भक्तं । सर्वभक्तु निवात्र लभ्यः ॥ भुजा
क विजय प्रसाद ह । हवजाय नमस्तु सर्वमाल
मायापुधा घनः । नेजासा नृपाय हवजाय नम
स्तु ॥ ७ ॥ किंच न भजता सा सर्वदा या हा नृपी नीः च
त्याल दिग सिता दयी । नमामीति किं जालसंमल ॥
ॐ नीलनिजातु नीजारा नृका संग संगी नीः ॥ ८ ॥
ग सा हंता महवाच नृकायारवमा न किं ॥ ९ ॥

समयकाय प्रामात्रं यम जान ॥ भूका दव पातु नयक
इति ॥ १ ॥ किं नृपा नय दव यातु नृकाय नयक ॥ २ ॥
॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥
विचक ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥
याय ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥
गला नृपाः दग भजी नितीया नृपा नृपा हि नृपा
विशारव भजा वृद्ध ह

नसा साग आः राबं राव विवाजी नावा जाहिका पा
वह ॥ सर्कल याग पची वा वागु मिर्क विय ॥ माह न
सजीद वयाग पिब काह यक ॥ ५ न पंचाक
सकायक ॥ गुराह याग ३ गमाय ॥ नाथाइतय की
पंथीय ॥ ५ पाइः नकु या पाइसा ॥ गुरम लुलदनक
वाक गुराह याय मा ॥ मातयाय वह सा नजा किवा न
का ॥ वाक चंका सा नजा कि नयं कं सक सिंग ॥ नन वली

सत जात पुजा
विद्युत् ॥ धंका जाय याद धंका विद्या ॥ धंका
कुमाक धायाद ॥ समाधिद नानुदिना कसा पाताम
यागगुर्मलुलदनेक ॥ ॥ समाधिदने धंका
लं कोपयि ॥ गन्धस माहाकाल वली ॥ मतपुजा पाय
जावाहन ॥ र गव न श्रीमत् श्री गन्धसमाहाकालः
शायवधी श्रुमागुका वेधन जायवउ धपंन
म ॥ जाय ॥ ॐ रं तां हिं त्य स्वाहा ॥ अज २१ खेलाव

सुखप्रदादिः॥ गमनगो शयवृद्धिगमसमाहाका
लः॥ शृष्टमात्रका वल्लोचनवेक्षणत्रायप्रदायम
नाद्यंप्रतिबुद्धसाहा॥ **सामान्य**॥ ॐ शयवृद्धीयसाहा॥
उभयवृद्धीयसाहा॥ प्रज्ञावृद्धीयसाहा॥ धनवृद्धीयसाहा॥
संज्ञानवृद्धीयसाहा॥ गंगलपत्रयसाहा॥ गन्धमत्रा
यसाहा॥ गंगलपत्रिपुत्रीमायसाहा॥ उद्दकायसाहा॥
प्रभाकत्रायसाहा॥ ममाहाकात्रायसाहा॥ इकात्रायसाहा॥

शार्ङ्गकात्रायसाहा॥ इकात्रायसाहा॥ **वलिवात**॥ ॐ
शृङ्गिगागरेत्रायसाहा॥ शृङ्गरेत्रायसाहा॥ कपा
लरेत्रायसाहा॥ शिष्यनरेत्रायसाहा॥ वन्दरेत्राय
साहा॥ कादरेत्रायसाहा॥ वन्दालरेत्रायसाहा॥ ४
उमंकरेत्रायसाहा॥ **सुगन्ध**॥ वेक्षणत्रायसा
हा॥ मानीरुत्रायसाहा॥ पूर्णरुत्रायसाहा॥ चर्वदा
यसाहा॥ वर्जपुष्पप्रतिबुद्धसाहा॥ **पूजासाहा**॥ ४

यथाशासनार्थपतिकृत्साहा॥ तान्वदय॥ ॐ वक्र
संमन्त्रायसाहा॥ वक्रनाथयसाहा॥ अदिनीयसाहा॥
नासायसाहा॥ रवंध्यायसाहा॥ माहनीयसाहा॥
वंवर्तवात्राहियसाहा॥ हाथायामिनसाहा॥ ज्ञीमाहनी
यसाहा॥ हृदिसंवात्रलीयसाहा॥ रुठ २ वडिकायसा
हा॥ शान्दायसाहा॥ पलमादायसाहा॥ सहजान
दायसाहा॥ रुपिनीयसाहा॥ हस्तपिथयसाहा॥ ८

उं दियानपिथयसाहा॥ जालधलपिथयसाहा॥
निमनियकायसाहा॥ संलगवकायसाहा॥ माहास
रवकायसाहा॥ वर्तपूर्यपतिकृत्साहा॥ तान्वदनाइ
नेमाहनी॥ रवद॥ पापी॥ प्रायुसमयकपिथयसाहा॥
गलनाथ॥ वृजानासाहा॥ ॐ संमन्त्रायनमस्तु
दाकात्रायनमानम॥ वक्रधिनायदवायवक्रसंमल
नायनमस्तु॥ ॐ नलागीवर्तवात्राहिमंनमर्ति

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गानं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ गानं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 दिगम्बरादिवीनमामीहानदाकिनी ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गानं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ गानं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 वावर्ककायाएवमात्रमकि ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मास्वदीयाहायपीनी ॥ गानं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मामीहानदाकिनी ॥ समयकायकइतिपित्त ॥ ॐ ॥

१ धं श्याकविद्यनाथाशक्तयुग ॥

पञ्चनायकशपीनीगनमंलुलवायकावासा ॥ ५५ २
 गुग्मंलुलदन्त ॥ गुग्मकइतिगनयकउत्तमान ॥
 न्याभजापयाय ॥ न्याभविउययाग ३६ ॥ हवउ
 याग १६ ॥ दिपकलनिश्रित २६ ॥ हापाहजानी १६ ॥
 धंकाहककयापूजाएलनयाउत्तमानयागविद्य ॥
 नाथाशक्तयकसी ॥ जाकिकायक ॥ कावपालरुजा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

निसंप्रजायाक ॥ ५५३ मं ७७ लघिक ॥ प्रजायाक ॥
ॐ वंदनं सिधं लज्जितं प्रमं पवित्रं : पापनाशनं
आपलाहलपानिपुल किं नु सर्वदवता ॥ सां ॥ १
मालगिमाधवीजागिसं दालचंपकादिहा : ॐ यादी
पृष्ठायाहनंच ॥ ॐ दंपृष्ठा निर्यातियान्यहं ॥ समयेन
कायक ॥ मगनविषयक ॥ ॥ ५५३ मं ७७ लघिक ॥ प्रजायाक ॥
नघलमं ७७ लघिक ॥ मं ७७ लघिक ॥ प्रजायाक ॥

यक ॥ दानपुत्रिकाय ॥ ५५३ मं ७७ लघिक ॥ प्रजायाक ॥
विजयह वज्रनेत्रालादिपंकल आवाहनाग ॥ मास्य २
चतुर्दशी प्रजाकृयाक मनि ॥ ५५३ मं ७७ लघिक ॥ प्रजायाक ॥
मल्लजाम्यहं ॥ जाकि कनाहा कलपक ॥ ५५३ मं ७७ लघिक ॥ प्रजायाक ॥
५५३ मं ७७ लघिक ॥ ५५३ मं ७७ लघिक ॥ ५५३ मं ७७ लघिक ॥ प्रजायाक ॥
वंनमाम्यहं ॥ वंदनं शिवं सखरवनवज्रगुः सर्वव
दहवंतु ॥ नानात्रपि ॥ ५५३ मं ७७ लघिक ॥ प्रजायाक ॥

ॐ वं माया लुपः वं वं जादकं मृम नं रुवं तु लाहा ॥ व
लन मृठि वं न नम ॥ वं न मृगि पृष्य नम ॥ नाग पा
म मका नि स्पं उल जा जा महा वला नि विरि क ल्य नम
स्ति स्पं व र्भ य नम स्तु स्प ॥ हान नो वाय क ॥ शान
नं पु ति क ला हा ॥ पु जा रु ल पी य क ॥ ॐ न मा रु ग
व म्प पृष्य क रु मा जा यां ॥ वाय ॥ उ उ अ य उ अ न
न न क ॥ ॐ नो ई ॥ ति का य धि वा न स व् पा पा न व ई ॥ वाय ॥

मं लु ल सिं ह मि का पृ उ थ मं मि य ॥ ॐ स्र व न्म ति ल क
वि रु ख न ला हा ॥ ला न व रु जा मा उ तु मा हा न मं लु ल
क पृ य क ॥ दा नं ग य ॥ वाय ॥ ला न य पृ य क वि य
जा दि जा न थ न या क ॥ मं का धि व रु म य काल वि उ
सं जा न ॥ मा हा रु नं वा य रु मि जा जा वली ॥ मं द लं प
ली रु काल न ॥ वाय ॥ मं द ल जा दि मा पृ वा वा य क ॥
ॐ उ ई व ई क रु मा उ ली ना थ हा मं लु ल व र्ज पृष्य मा ॥

लाय ॥ एगखाहं तानमस्वामी श्री गुरु नाथं पुसि च
म ॥ ऊस्य पु ॥ चकनने ॥ ॥ कापादस ॥ ॐ न
मस्तु पं ववृद्धां ॥ ॥ इय ॥ नमः श्री तेला क विज
यविलः सर्वमाल विना भक्तं ॥ एडसतुरा गतालः तेना
क विजय नमस्तु ॥ हव जाय नमस्तु ॥ हमालका
नसा रिता ॥ हमयानस्य पापं त्वां देवी नमस्तु ॥ ॥
सर्वव्यापिर वयं च सृजताली रायनलः ने अतु कन

म ॥ सुमंददामी नृ सि ष्य क पु दाय क ॥ प्राहनी याग ४
ॐ संयत्राय ॥ सि ष्य याग ॥ ॐ नत्वा जीवर्जवा
जाहि ॥ ॐ खादयाम अपी याग ॥ ॐ निल निजाऊ
नी जाल ॥ पाठ याग ॥ ॐ ठा कि नी चत थ जामा रव
दी मो हा नृ पि नी चत्वा त्र दि ग धि ता द वी न मा मी ह्म न
दा कि नी ॥ ॐ नृ ष्य सं वि ष्य सं जात ॥ वली याग ॥
ॐ पु मा य नी मा हा द वी ॥ नृ दाय नी नृ थ व च ॥ को

प्राधाद नय ॥ अमरुता जवुदग जाक पात्राय
पाद्या नम नाद्यं पतिक साहा ॥ सा नवाया ॥ ॐ न
वृ कुरु पात्राय साहा ॥ कुमात्राय साहा ॥ पाकपात्राय
साहा ॥ गलपत्रिय साहा ॥ कुमालदेव साहा ॥ क
उ पात्राय वरुपुष्य पतिक साहा ॥ पूजा साहा ॥
ॐ नवृ कुरु क गदवीः नवृ कुरु निवासनीः नवृ
मूर्ति नमस्तुभ्यं ॥ कुरु पालनमस्तुभ्यं ॥ मरुतपा

नपाविभउनयानाकाय ॥ कुनम ललवाइरा ॥
गवाभयार्थं कवियगु ॥ ॥ ५ नरागज उं हाक ॥
उजमानं गनम ललसवा नारासा हाय कडा कि
दमरुता ॥ ॥ श्री श्री श्री नमः ॥ श्री
लाक विजय ॥ हुकड ॥ दिपकल ॥ गुजराइ ॥ ५
पाइ ॥ दहज नव दना कास्य विद्याई ॥ ॥ ५ ॥
धनविपथीय ॥ काक नयक ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ४

१३

धनगताया

कमलमयक ॥ सिसावसागयक ॥ स्वायत्रापात्रा ॥
 वामः इदमयक ॥ ॥ धनगालडां हाक ॥ ॥
 जीतकालयी हाक ॥ ॥ काष्ठियलखितयक ॥
 गीतगताजिन हाक ॥ जयजय हाक ॥ ॥ धन
 पात्रास्रनिलकायक काय ॥ इन्द्रदेवया असहिव
 जयाई अमृतया पूजार्थीयक ॥ ॥ नभारगव
 तपसाकतुजाजायां न भगताया ॥ इन्द्रसिन्धुदस

वृक्षय ॥ गद्य ॥ पृष्ठा २ माहापृष्ठासुपृष्ठा ॥ पृष्ठा
 विकानकमनः ॥ पृष्ठावकननक साहा ॥ जनीया
 क ॥ जादिजाना हाक लपंगय ॥ गुत्रवृद्धगुत्रधर्मः
 गुत्रसंयनथेवव वन्दगीवडासत्य
 लपलपूजायाक ॥ वरुनमूर्तिवन्दननम ॥ ॥
 नागपाभमकाजीर्ण ॥ ॥ दसा निष्ठागिपू
 लीनया ॥ मइसा पाभक प्रमाल ॥ दवयाग

ज्ञानयाके ॥ पूजायाके वाक्य पूजासमेत ॥

मिसाई अत्रमंभुलपी देउ ॥

॥ नपाइसाः

सांगपलीपूयके ॥ देवयात २ गुलाइ ॥ नायाइ

पाजाः न कि पूयके ॥ नपा मषमा ॥ धन अहिरिष

नाहायके ॥

॥ पूजा अंका अडा हुडा नयनयाउ

त्रमंभुलदनक ॥ २० जाकिन्याय वावायके ॥ सानवा

यके २१ जाकिलनयानंभुल हायके विच ॥ जाकी

जा ना हाकलय ॥ ॐ नमस्तु पंचद दाना अक्षरपा

दिकूलनय ॥ मध्वेना चनं ना पं पंचवृद्ध नमस्तु

प ॥ ॐ नमस्तु गुणा अक्ष विजय विलं सर्वमाल वि

नो अर्क ॥ एउ अर्तुग गालं ॥ गुला अक्ष विजय नः

मस्तु ॥ ॐ हवडा यनमस्तु संहमाल कालन

अहिरिः हसयानस्य सपापं लादवी नमस्तु ॥

देवयातनके ॥ मंभुल विमडनयाके ॥

धनगुणगुणनिर्णयपूजायाक ॥ धुंकासिंह
 काकायकादेवयागमिका ॥ निष्कमिपूनी
 नासिंहमिये ॥ अलगुणगुणयागमिक ॥ नाया
 यागमिक ॥ सकलयागमिकविये ॥
 धनखादकायक ॥ नदियागपागकायकहिकगु ॥
 इईईदहायक ॥ धुंकाखादलिहायक ॥ धनदका
 नयमा ॥ धननदियागदिकसमकलवाभा ॥

धनककजापागहिक ॥ नपसजायक ॥ ककनात
 यक ॥ गीतवक्रिईदलहायक ॥ धुंकादिक ॥
 धनपावातयक ॥ जानाप ४ गाद्यासातयमाल ॥
 गीतवालीवलहायक ॥ पावातयकगुडुनयधु ॥
 धकि १ ॥ गुणगुणयाग ३ ॥ नसीतयक ॥ गीत
 नदलहायक ॥ नधितयक ॥ गीतवक्रिवाली
 धनकागिजयक ॥ धुं ३ ॥ लखीकनयक ॥
 कोलातयमाह ॥

पुष्करजजायां यमसुत्राय नमः ॥ अमाता
किंती लताया यमः ॥ निम्न असंप्रजायाय ॥
सहायसुत्राय नमः ॥ श्रीमन्महाभूमि
जायमायाचमनाद्यपि निम्न साहा ॥ आदिस्नानवाय ॥
ॐ भूमिजायसाहा ॥ अज्ञानदा किनीयसाहा ॥ आ
लदा किनीयसाहा ॥ अतालदा किनीयसाहा ॥ अन्दा
लदा किनीयसाहा ॥ अल किनीयसाहा ॥ अन्त किनी

यसाहा ॥ अन्तपुष्पपु निम्न साहा ॥ पूजाजालासु निम्न
ॐ नमो ॥ श्री भूमिजायनमसुत्रायः अज्ञानदा किनी
नमानमः आलदा अतालदा किनी अन्त किनीयनमसु
त्राय ॥ ॥ अन्तजा किनीयसाहा ॥ अन्तवह कसमाता
लीनाथ ॥ आदिस्नानवाय ॥ रुम अन्तवह कसमाता ॥ २१
॥ अन्तजा अलदा अतालदा किनी अन्त किनीयसाहा ॥
अन्तमूर्त्य ॥ आदिस्नानवाय ॥ ॐ ॐ अन्तजा अलदा

उमाय ॥ १४ प्रजापत्यासुति ॥ ॐ द्यादया ॥
 धनविभक्तनयाना ॥ मरु १ चानयाजग
 लिनाकलकाय ॥ ॥ धनहाननासिय ॥
 सकसिया ॥ निवप्यक ॥ लघं हायाक ॥ ॥
 नृसिजावियक ॥ धनजजमानचलमदलसग
 यागुमलुलदनक ॥ नृसिजाकायकाप्रजार
 भीयक ॥ ॐ नमोरागवसुः पृषकतुजाजायां वायः

मा ॥ १५ ॥ १५ ॥ १५ ॥ १५ ॥ १५ ॥ १५ ॥ १५ ॥ १५ ॥ १५ ॥ १५ ॥

ज्ञानासुति
 2611 I